सीपीआरआइ की टीम ने सीएसए में **24 नए बीजों** की खेती भी देखी

आलू की 10 प्रजातियों की खेती को केंद्रीय टीम ने पाया उम्मीद से बेहतर

60 दिन में तैयार फसलों की लंबाई व तनों की देखी मोटाई

32 प्रजातियों के आलू की भी टीम ने ली जानकारी

जासं, कानपुर : केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआइ) की टीम ने शनिवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साग भाजी विज्ञान विभाग केंद्र पर पहुंचकर आलू की 32 प्रजातियों और 24 नए बीजों की खेती देखी। टीम ने 10 प्रजातियों की खेती को उम्मीद से भी ज्यादा उत्पादन देने वाला पाया है। टीम अपनी रिपोर्ट केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान को सौंपेगी। विश्विद्यालय के निदेशक शोध एवं साग भाजी विज्ञान विभाग के प्रभारी डा. पीके सिंह ने टीम को आलू प्रजातियों के उत्पादन तरीकों की जानकारी दी।

साग भाजी अनुसंधान केंद्र पर आलू की फसलों का निरीक्षण करते केंद्रीय टीम के साथ शोध निदेशक डा. पीके सिंह डा. अश्वनी शर्मा, डा. डीएल यादव, डा. अजय यादव और डा. सीएन राम (बाएं से दाएं) ● सीएसए

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के साग भाजी विज्ञान विभाग के केंद्र पर शनिवार को सीपीआरआई शिमला की तीन सदस्य टीम पहुंची जिसमें सीपीआरआइ के डा. अश्वनी कुमार शर्मा, कृषि विश्वविद्यालय कोटा राजस्थान से डा. डीएल यादव और आचार्य सेंट देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी के सदस्यों ने सब्जी अनुसंधान केंद्र पर उगाई आलू फसलों की 32 प्रजातियों और 24 नई श्रेणी के बीजों की खेती देखी। 60 दिन में तैयार फसलों की लंबाई और तनों की मोटाई के साथ ही आलू फल फसल सुधार एवं फसल सुरक्षा से संबंधित परीक्षण का भी अध्ययन किया। इस दौरान डा. पीके सिंह के साथ डा. आरके पाल, डा. अजय कुमार यादव, डा. डीपी सिंह, डा. संजीव कुमार सचान, डा. आशुतोष

विष
आएं
जासं, का
महाराज
सेमेस्टर
शुक्रवार
मूल्यांकन
हो गई है
मूल्यांकन
बनाए ह
से उत्तर
किया ज
सीएस
परीक्षाएं
जाएंगी।
उत्तर पु
कार्यक्रम
10 जन
मूल्यांक
की है।
ने बता
से जल
इससे
कार्य
कार्य इ
में ही
का ल
पर इ
कंप्यूट
और
कानपु
गया है
कानप

होते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जिसे लेकर लोगों में तरह तरह की चर्चाएं शुरू हो गई है।

सब्जी शोध केंद्र पर लगे आलू के परीक्षणों की वैज्ञानिकों ने की सराहना

दि ग्राम टुडे, कानपुर।(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के साग भाजी विज्ञान विभाग के केंद्र पर आलू की परीक्षण हेतु केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा गठित तीन सदस्य टीम जिसमें डॉक्टर अश्वनी कुमार शर्मा केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला, डॉक्टर डी एल यादव कृषि विश्वविद्यालय कोटा राजस्थान और डॉक्टर सी एन राम कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या की संयुक्त टीम केंद्र पर भ्रमण किया। जिसमें डॉ पी के सिंह विभागाध्यक्ष एवं निदेशक शोध ने अपने समस्त स्टाफ डॉ आर के पाल ,डॉ अजय कुमार यादव , डॉ डीपी सिंह ,डॉ संजीव कुमार सचान ,डॉ आशुतोष उपाध्याय तथा सूरज कटियार एवं राकेश सिंह के साथ वैज्ञानिकों की टीम को निरीक्षण कराया। जिसमें फसल उत्पादन, फसल सुधार एवं फसल सुरक्षा से संबंधित परीक्षण का अध्ययन किया। फसल सुधार में वैज्ञानिकों ने कुछ प्रजातियों को अगेती के लिए चिन्हित किया। वहीं पर फसल सुरक्षा में झुलसा रोग एवं फोमा रोग जिसे किसान अपनी भाषा में परपरा बोलते हैं का बारिकी से निरीक्षण किया और उपरोक्त रोगों के प्रबंधन के विषय में अच्छी जानकारी दीं।जिसमे उन्होंने संस्तुत किया कि एजोक्सीस्तराबीन + टेबुकोनाजोल 1 एम एल प्रति लीटर पानी के दर से छिड़काव करें। किसानों को रोग प्रबंधन में मददगार साबित होगा। टीम के सभी सदस्यों ने केंद्र पर लगे परीक्षण की सराहना कटी।

अमर भारती

एक उम्मीद

04 प्रदेश, 06 संस्करण

09, पृष्ठ: 12, मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com रविवार ,05 जनवरी 2025, शक सम्वत

कार रना

टी करप्शन
उठा लिया
कहना था
खकर उन्हें
सरी घटना
नी नगर में
और एवं
पर पहुंचे
2024 को
। धरना देने
मंत्री पंकज
ज बहादुर
ण कुमार,
ाथ शुक्ला
स्थित रहे।

आलू के परीक्षणों की वैज्ञानिकों ने की सराहना

कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)। सीएसए के साग भाजी विज्ञान विभाग के केंद्र पर आलू की परीक्षण हेतु केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा गठित तीन सदस्य टीम जिसमें डॉक्टर अश्वनी कुमार शर्मा केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला,डॉक्टर डी एल यादव कृषि विश्वविद्यालय कोटा राजस्थान और डॉक्टर सी एन राम कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या की संयुक्त टीम केंद्र पर भ्रमण किया। जिसमें डॉ पी के सिंह विभागाध्यक्ष एवं निदेशक शोध ने अपने समस्त स्टाफ डॉ आर के पाल ,डॉ अजय कुमार यादव , डॉ डीपी सिंह ,डॉ संजीव कुमार सचान ,डॉ आशुतोष उपाध्याय तथा सूरज कटियार एवं राकेश सिंह के साथ वैज्ञानिकों की टीम को निरीक्षण कराया। जिसमें फसल उत्पादन, फसल सुधार एवं फसल सुरक्षा से संबंधित परीक्षण का अध्ययन किया। फसल सुधार में वैज्ञानिकों ने कुछ प्रजातियों को अगेती के लिए चिन्हित किया।

मजदू से रोड

अमर भारत

सिद्धार्थनगर। ज
बांसी विकाश खंड
खेसरहा क्षेत्र के बन
दिशा में बना कच्चे
विगत वर्षों से भूत
निर्मित है वर्तमान प्र
इस कच्चा मिट्टी रोड
करवा रहे थे जो
आकलन में आय
मुताबिक इस ग्रामीण
पुरुष का कहना है वि
में जहां मनरेगा ले
चाहिए था वहीं पर उ
मोहम्मद वी, ऐ, ल
अहमद ट्रैक्टर के द्वा
मिट्टी रोड रामरूप च
लेकर पंढरपुर के नि
तक निर्माण हुआ है
के लोगों का कहना
साल बीत चुके हैं ग
तरह से कोई विकास
है ना तो गांव से नि
अस्थाई रूप से कोई

05 Jan.2025_Jan-exp...

आज का तापमान
अधिकतम | न्यूनतम
लखनऊ 21°C | 12°C
इनसाइड न्यूज़
योगी के मंत्री पर डोरे डाल रही कांग्रेस
उत्तर प्रदेश पेज : 03

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

रविवार 05 जनवरी, 2025 / पेज: 12 / मूल्य: ₹3.00/- लखनऊ वर्ष: 16, अंक: 84 | www.janexpresslive.com/epaper | कहते थे सरकारी गाड़ी-व

सब्जी शोध केंद्र पर लगे आलू के परीक्षणों की वैज्ञानिकों ने की सराहना

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

सीएसए के साग भाजी विज्ञान विभाग के केंद्र पर आलू की परीक्षण हेतु केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा गठित तीन सदस्य टीम जिसमें डॉक्टर अश्वनी कुमार शर्मा केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला,डॉक्टर डी एल यादव कृषि विश्वविद्यालय कोटा राजस्थान और डॉक्टर सी एन राम कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या की संयुक्त टीम केंद्र पर भ्रमण किया। जिसमें डॉ पी के सिंह विभागाध्यक्ष एवं निदेशक शोध ने अपने समस्त स्टाफ डॉ आर के पाल, डॉ अजय कुमार यादव, डॉ डीपी सिंह, डॉ संजीव कुमार सचान, डॉ आशुतोष उपाध्याय तथा सूरज कटियार एवं राकेश सिंह के साथ वैज्ञानिकों की टीम को निरीक्षण कराया। जिसमें फसल उत्पादन, फसल सुधार एवं फसल सुरक्षा से संबंधित परीक्षण का अध्ययन किया। फसल सुधार में वैज्ञानिकों ने कुछ प्रजातियों को अगेती के लिए चिन्हित किया। वहीं पर फसल सुरक्षा में झुलसा रोग एवं फोमा रोग जिसे किसान अपनी भाषा में परपरा बोलते हैं का बारिकी से निरीक्षण किया और उपरोक्त रोगों के प्रबंधन के विषय में अच्छी जानकारी दीं।

जिसमे उन्होंने संस्तुत किया कि एज़ोक्सीस्तराबीन पल्स टेबुकोनाज़ोल 1 एम एल प्रति लीटर पानी के दर से छिड़काव करें। किसानों को रोग प्रबंधन में मददगार साबित होगा। टीम के सभी सदस्यों ने केंद्र पर लगे परीक्षण की सराहना की।